B.A.(H)
PART-Ist
POLITICAL SCIENCE
PAPER-Ist, CH-6th
LECTURE NO-11th
DATE: 21/04/2020

From Page NO.-1 to 3

By: OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SCIENCE
D.B. COLLEGE,
JAYNAGAR
LNMU → DARBHANGA

Date: Page:

शक्ति और बल में अंतर

सामान्यतया शक्ति और बल को एक ही समझ लिया जाता है, किन्तु वास्तव में दोनों में अन्तर पाया जाता है। प्रमुख अन्तर निम्नलिखित है :—

शक्ति	बल
(i) इसका अर्थ क्षमता है।	(i) इसका अर्थ शास्तियों (Sanctions) की प्रयुक्ति या प्रतिबंधों की व्यवस्था है।
(ii) यह मनोवैज्ञानिक क्षमता है।	(ii) यह भौतिक क्षमता है।
(iii) बल के अपेक्षा यह व्यापक तत्व है।	(iii) शक्ति की तरह यह व्यापक नहीं है।
(iv) शक्ति अप्रकट तत्व है।	(iv) यह प्रकट तत्व है।

शक्ति और प्रभाव में समानताएँ एवं सम्बंध :—

(i) दोनों ही बौद्धिक एवं सम्बंधात्मक है।

(ii) दोनों एक-दूसरे को सबलता प्रदान करते हैं अर्थात् एक-दूसरे के लिए महत्वपूर्ण है।

(iii) दोनों औचित्यपूर्ण हो जाने के बाद ही प्रभावशाली होते हैं।

Next

Scanned with CamScanner

(iii) प्रभाव शक्ति उत्पन्न करता है और शक्ति प्रभाव को बढ़ाती है।

(iv) दोनों को एक-दूसरे की आवश्यकता पड़ती है।

(v) दोनों प्रभावित व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करते हैं।

(vi) शक्ति और प्रभाव दोनों एक-दूसरे लिए वर्द्धनकारी भी हो सकते हैं।

शक्ति और प्रभाव में वर्णित समानताएँ होते हुए भी अन्तर पाए जाते हैं।

शक्ति और प्रभाव में अन्तर/असमानताएँ

शक्ति	प्रभाव
(i) यह दमनात्मक होती है। इसके पीछे कठोर भौतिक बल एवं प्रतिबंधों का प्रयोग होता है।	यह अनुनयात्मक, संवेदपूर्ण तथा मनोवैज्ञानिक होता है।
(ii) जब इसका प्रयोग किया जाता है तो इससे प्रभावित होने वाले के पास इसे स्वीकार करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं होता।	(ii) इससे प्रभावित होने वाले के पास सदैव अनुपालन हेतु अनेक विकल्प मौजूद होते हैं।
(iii) इसे अप्रजातंत्रात्मक माना जाता है।	(iii) यह पूर्णतया प्रजातंत्रात्मक तत्व है।

Scanned with CamScanner

Date: _____ Page: _____

शक्ति	प्रभाव
(iv) इसका प्रभाव भय के कारण होता है।	(iv) इसका प्रभाव विचार की समानताओं और मूल्यों
(v) इसके प्रयोग पर अनेक सीमाएँ लगी होती है।	(v) इसकी शक्ति अस्वीकृत होती है।
(vi) इसके प्रयोगकर्ता का स्वरूप प्राय: सुनिश्चित होता है।	(vi) यह प्राय: व्यक्तिगत, अमूर्त तथा अस्पष्ट होता है।
(vii) इसकी स्थिरता के लिए प्रभाव की आवश्यकता है।	(vii) प्रभाव को अपने अस्तित्व के लिए शक्ति के प्रयोग की आवश्यकता नहीं होती है।

सत्ता और शक्ति में अंतर

सत्ता	शक्ति
(i) यह सहमति पर आधारित होती है।	(i) यह बल प्रयोग पर आधारित होती है।
(ii) इसके प्रयोग करने वाले अपने कार्यों के लिए जनता या संस्था के प्रति उत्तरदायी होते हैं।	(ii) इसका प्रयोग करने वाले अन्य व्यक्ति या संस्था के प्रति उत्तरदायी नहीं होता है।
(iii) यह विवेकपूर्ण होती है और उचित प्रकार से इसका प्रयोग किया जाता है।	(iii) इसका विवेकपूर्ण होना जरूरी नहीं है, विवेकहीन भी हो सकता है।
(iv) यह अधीनस्थों को आदेश देने का कानूनी अधिकार है।	(iv) यह दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता है।
(v) सत्ता हमेशा औचित्यपूर्ण होती है।	(v) शक्ति औचित्यपूर्ण हो सकती और नहीं भी हो सकती है।

Scanned with CamScanner